UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

M.A. Music(Instrumental-Tonal) 2nd Year Assignment
एम0ए0 संगीत(स्वरवाद्य) द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission : 15thMay 2013 जमा करने की अन्तिम तिथि : 15 मई 2013

Course Title: Swarvadya-Raago Aur Taalo Ka Addhyan II
कोर्स शीर्षक : स्वरवाद्य–रागों और तालों का अध्ययन II
Year: 2012-13
सत्र : 2012–13

Course Code: M.A.M.I. - 202
कोर्स कोड : एम0ए0एम0आई0–202
Maximum Marks: 40
अधिकतम अंक : 40

❖ खण्ड़ क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं।

खण्ड़ – क

1. राग के लक्षणों से आप क्या समझते हैं? विस्तार से समझाइए।
2. सारणा चतुष्टयी का विस्तृत वर्णन प्रस्तुत कीजिए।
3. प्रबन्ध की व्याख्या करते हुए उसके अंगों का भी वर्णन कीजिए।
4. गायन व तंत्रकारी पद्धति पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
5. प्रबन्ध की जाति, धातु व भेद का विस्तृत वर्णन कीजिए।
6. पाठ्यक्रम के रागों में से किन्हीं पाँच रागों का पूर्ण परिचय दीजिए।
7. निम्न में से किन्हीं तीन की तुलना कीजिए :–

गान्धारी–कोमल रिषभ आसावरी, मुल्तानी–भीमपलासी, पूरियाधनाश्री–श्री, दरबारी कान्हड़ा–मियाँ मल्हार

8. पाठ्यक्रम की किन्हीं चार तालों का पूर्ण परिचय दीजिए एवं उनकी दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड, कुआड व बिआड लयकारी भी लिखिए।

❖ खण्ड़ ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।

खण्ड़ – ख

1. भारतीय संगीत के प्रसिद्ध ग्रन्थों संगीत रत्नाकर, चतुर्दण्डिप्रकाशिका, नारदीय शिक्षा व संगीत मकरंद में संगीत की स्थिति का वर्णन कीजिए।
2. पाठ्यक्रम के किन्हीं छ रागों में मसीतखानी गत तोडों सहित लिपिबद्ध कीजिए।
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं छ रागों में रजाखानी गत तोडों सहित लिपिबद्ध कीजिए।
4. जाति गायन को विस्तारपूर्वक समझाइए।